Series **E1GFH/3**

Set No. 2

प्रश्न-पत्र कोड **29/3/2**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

नोट

(I) *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **19** हैं ।*

(II) *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।*

(III) *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।*

(IV) ***कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।***

(V) *इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **14** है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।*

(iii) ***खण्ड अ** में 48 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iv) ***खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

मानव की प्रकृति प्रदत्त विभूतियों में एक बड़ी ही मोहक विभूति है — हास्य-विनोद । जीवन में यदि हास्य-विनोद न हो तो ज़िंदगी केवल कराहों का सिलसिला, आहों का जलजला, दर्द की दास्तान बन कर रह जाय । हास्य लाख दुखों की एक दवा है, स्वास्थ्य का एक अनोखा मंत्र है । चिंताओं के पुलिंदे को थोड़ी देर के लिए अलग करने में हास्य और विनोद बड़े ही सहायक हैं । कविता केवल हृदय का उद्‌गार है, विनोद रोम-रोम का उद्‌गार है । विनोद एक प्रकार की पुष्टई है जिससे शरीर और मस्तिष्क को नई शक्ति मिलती है, स्रस्त-त्रस्त शिराओं में मकरध्वज की ऊष्मा आ जाती है । संतों का कथन है कि यदि दुख में सुख की अनुभूति चाहते हो तो हँसमुख बनो ।

विधाता से हास्य और विनोद का बहुमूल्य वरदान पाने वाला मनुष्य बड़ा ही भाग्यशाली है । फोटोग्राफर फोटो खींचने के समय चाहता है कि आप एक क्षण के लिए मुस्कुराएँ, किंतु विधाता-फोटोग्राफर तो चाहता है कि आप जीवन भर मुस्कुराते रहें । जिस मुख पर हास्य की दुग्ध धवल चाँदनी छिटकनी चाहिए उसे क्या अधिकार है कि वह अपनी अयस्कान्तीय आकृति को अवसाद की काली रेखाओं से अमावस की काली रात बना डाले ?

हँसमुख व्यक्ति वह फव्वारा है जिसके शीतल छींटे मन को प्रफुल्लित करते रहते हैं । वैयक्तिक जीवन की सफलता के अनेक रहस्यों में एक रहस्य हँसमुख आकृति का होना भी है । हँसमुख व्यक्ति को देखकर यह धारणा बनती है कि उसके मन में कोई गाँठ नहीं, कोई उलझन नहीं है । एक विक्रेता की मोहक मुस्कान वह काम कर जाती है जो किसी जेबकतरे की कैंची नहीं कर पाती । एक सहज प्रसन्न शिक्षक की कक्षा में कभी उदासी की घटा नहीं छाती ।

https://www.evidyarthi.in/

दीर्घायु होने का सर्वोत्तम साधन है — हँसमुख स्वभाव । हँसमुख आकृति मानो ऐसा आईना है जिसमें परमात्मा की प्रसन्नता हर क्षण दिखाई पड़ती रहती है । मानसोपचारशास्त्री तो हास्य-विनोद के द्वारा अनेक रोगों की चिकित्सा भी किया करते हैं ।

भाषा और भाषण का भूषण है — विनोद । भाषण में हास्य-विनोद का पुट रखने वाले व्यक्ति से लोग सर्वाधिक प्रभावित होते हैं । हास्य-विनोद केवल उदासी ही नहीं मिटाती, वरन् इससे शत्रु भी मित्र बन जाते हैं । महान् साहित्यकारों ने अपने गहन-गंभीर साहित्य में हास्य-विनोद की अवधारणा कर उसके आकर्षण को बहुगुणित कर दिया है । महान् नाटककारों ने अपने नाटकों में विदूषक का प्रयोग इसी उद्देश्य से किया गया है ।

किंतु यह ध्यान रखना चाहिए कि हास्य मर्यादित रहे ताकि दूसरों की नींद हराम न हो जाय ।

(i) हास्य-विनोद जीवन की मोहक विभूति क्यों है ?

(a) दुख दर्द को बढ़ाने के कारण

(b) चिंता, व्यथा, उच्छ्वास को समाप्त करने के कारण

(c) दुखों की दवा होने के कारण

(d) पृथ्वी पर होने वाले भूकंप के कारण

(ii) गद्यांश में आए 'पुष्टई' शब्द का आशय है :

(a) बाँहों में होने वाली पीड़ा

(b) पैरों में बढ़ने वाला मोटापा

(c) शरीर और बुद्धि को मिलने वाला बल

(d) शरीर और मस्तिष्क को दुखाने वाली चिंता

https://www.evidyarthi.in/

(iii) गद्यांश में 'स्रस्त-त्रस्त शिराओं में मकरध्वज की ऊष्मा आ जाती है' — से लेखक कहना चाहता है कि :

(a) तनी और खिंची तलवारें चलने से रुक जाती हैं ।

(b) शिथिल और पीड़ित नसों में बल और स्फूर्ति आ जाती है ।

(c) शिथिल और पीड़ित नसों में अग्नि प्रज्वलित होने लगती है ।

(d) अस्वस्थ शरीर में स्वास्थ्य की चिंता बनी रहती है ।

(iv) फोटोग्राफर और विधाता-फोटोग्राफर — इन दोनों में किसे और क्यों अच्छा माना गया है ?

(a) फोटोग्राफर को क्षणिक मुस्कान की चाह से

(b) फोटोग्राफर को बिना मुस्कान के जीवन की चाह से

(c) विधाता-फोटोग्राफर को आजीवन मुस्कान की चाह से

(d) विधाता-फोटोग्राफर को क्षणिक मुस्कान की चाह से

(v) गद्यांश में निम्नलिखित में से किसे श्रेष्ठ माना गया है ?

(a) अमावस की काली अयस्कांतीय अवसाद वाली मुखाकृति

(b) पूर्णिमा की चाँदनी भरी रात जैसी मुखाकृति

(c) अमावस की अयस्कान्तीय अवसादपूर्ण हँसती मुखाकृति

(d) हास्य की दुग्ध-धवल-चाँदनी वाला मुख

(vi) फव्वारे का क्या गुण है ?

(a) उसके शीतल जल की छींटों से मन प्रफुल्लित होता है

(b) उसके शीतल जल की छींटों से मन व्याकुल हो उठता है

(c) उसके गर्म जल की छींटों से आँखें चौंधिया जाती हैं

(d) उसके शीतल जल प्रपात से शरीर रोमांचित हो जाता है

https://www.evidyarthi.in/

(vii) गद्यांश में 'हँसमुख व्यक्ति' को देखकर क्या धारणा बनती है ?

(a) वह निडर है

(b) वह निश्छल है

(c) वह निर्मम है

(d) वह निर्बल है

(viii) निम्नलिखित में से सही विकल्प लिखिए :

"भाषण के विनोद से"

(a) उदासी मिटती है — मित्रता घटती है

(b) उदासी बढ़ती है — मित्रता समाप्त होती है

(c) उदासी मिटती है — शत्रुता समाप्त होती है

(d) उदासी बढ़ती है — मित्रता जमती है

(ix) साहित्य में नाटककारों ने हास्य की अवधारणा की है :

(a) सूत्रधार के द्वारा

(b) विदूषक के द्वारा

(c) नट के द्वारा

(d) कञ्चुकी के द्वारा

(x) हास्य-व्यंग्य को गद्यांश में मर्यादित रहने की बात कही है ताकि :

(a) दूसरे नौ-दो ग्यारह न हो जाएँ ।

(b) दूसरों की नींद हराम न हो जाय ।

(c) दूसरे नाक-भौं न सिकोड़ें ।

(d) दूसरे आँख की किरकिरी न हो जाएँ ।

https://www.evidyarthi.in/

2. नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं, किसी ***एक*** काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

काव्यांश – 1

(क) देख आया चंद्रगहना ।
देखता हूँ दृश्य अब मैं
मेड़ पर इस खेत की बैठा अकेला
एक बीते के बराबर यह हरा ठिगना चना,
बाँधे मुरेठा शीश पर छूटे गुलाबी फूल का
सजकर खड़ा है ।
पास ही मिलकर उगी है बीच में अलसी हठीली
देह की पतली, कमर की है लचीली
नीले फूले फूल को सिर पर चढ़ाकर
कह रही है जो छुए यह दूँ हृदय का दान उसको ।
और सरसों की न पूछो — हो गई सबसे सयानी,
हाथ पीले कर लिए हैं, ब्याह-मंडप में पधारी;
फाग गाता मास फागुन आ गया है आज जैसे ।
देखता हूँ मैं, स्वयंवर हो रहा है,
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में, दूर व्यापारिक नगर से
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है ।
और पैरों के तले है एक पोखर,
उठ रहीं इसमें लहरियाँ,
नीम तल में तो उगी है घास भूरी, ले रही वह भी लहरियाँ
एक चाँदी का बड़ा सा गोल खंभा आँख को है चमकाता
हैं कई पत्थर किनारे पी रहे चुपचाप पानी,

https://www.evidyarthi.in/

प्यास जाने कब बुझेगी, चुप खड़ा बगुला डुबाए टाँग जल में,
देखते ही मीन चंचल ध्यान-निद्रा त्यागता है
चट दबाकर चोंच से नीचे गले के डालता है ।
एक काले माथ वाली चतुर चिड़िया
श्वेत पंखों के झपाटे मार फौरन
टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर
एक उजली चटुल मछली चोंच पीली में दबाकर
दूर उड़ती है गगन में ।
मन होता है – उड़ जाऊँ मैं पर फैलाए, सारस के संग
जहाँ जुगुल जोड़ी रहती है
हरे खेत में,
सच्ची प्रेम-कहानी सुन लूँ
चुप्पे-चुप्पे ।

(i) काव्यांश में किन दृश्यों का वर्णन किया गया है ?

(a) गाँव के जलाशय और झरनों का

(b) गाँव में उगने वाली फ़सलों का

(c) विभिन्न सामाजिक रीति-रिवाजों का

(d) गाँव के प्राकृतिक दृश्यों का

(ii) 'हैं कई पत्थर किनारे पी रहे चुपचाप पानी' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

(a) मानवीकरण

(b) यमक

(c) उत्प्रेक्षा

(d) रूपक

https://www.evidyarthi.in/

(iii) कविता में अलसी को हठीली क्यों कहा है ?

(a) वह दूसरे पौधों से हठ करके उलझती रहती है

(b) उसके सिर पर की डोडियाँ उसे सीधी कर देती हैं

(c) पतली और लचीली होने के कारण तन कर सीधी हो जाती है

(d) वह बराबर हिलती रहने के कारण हठीली लगती है

(iv) काव्यांश की पंक्ति 'हृदय का दान' का क्या अभिप्राय है ?

(a) मान-सम्मान देना

(b) याद रखना

(c) प्रेम करना

(d) प्राण न्योछावर करना

(v) कविता की पंक्ति 'प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है' — किसके संबंध में है ?

(a) अलसी के

(b) सरसों के

(c) गाँव के खेत के

(d) स्वयंवर के

(vi) कवि ने 'बगुला' को किसका प्रतीक माना है ?

(a) मज़दूर का

(b) शोषित का

(c) शोषक का

(d) भूखे व्यक्ति का

(vii) काव्यांश में 'सरसों के सयानी होने' का क्या संकेत है ?

(a) हृदय का दान देना

(b) हाथ पीले कर लिए हैं

(c) कमर की है लचीली

(d) फागुन का फाग गाना

https://www.evidyarthi.in/

(viii) पक्षियों का स्वर सुनकर कवि के मन में क्या अभिलाषा जागती है ?

(a) सुग्गे के स्वर में स्वर मिलाकर मीठा-मीठा गीत गाए

(b) पंख फैलाए सारस के संग खेतों में प्रेम कहानी सुने

(c) सारस का टिरटों-टिरटों स्वर चारों ओर वन में सुनाए

(d) ऊँची-ऊँची पहाड़ियों पर चढ़कर चिड़ियों के घोंसले देखे

अथवा

काव्यांश – 2

(ख) माँ के लिए संभव नहीं होगी मुझसे कविता
अमर चिउंटियों का एक दस्ता
मेरे मस्तिष्क में रेंगता रहता है
माँ वहाँ हर रोज चुटकी-चुटकी आटा डाल जाती है
मैं जब भी सोचना शुरू करता हूँ
यह किस तरह होता होगा
घट्टी पीसने की आवाज
मुझे घेरने लगती है
और मैं बैठे-बैठे दूसरी दुनिया में ऊँघने लगता हूँ
जब कोई भी माँ छिलके उतार कर
चने, मूँगफली या मटर के दाने
नन्हीं हथेलियों पर रख देती है
तब मेरे हाथ अपनी जगह पर थरथराने लगते हैं
माँ ने हर चीज़ के छिलके उतारे मेरे लिए
देह, आत्मा, आग और पानी तक के छिलके उतारे
और मुझे कभी भूखा नहीं सोने दिया ।

https://www.evidyarthi.in/

मैंने धरती पर कविता लिखी है

चंद्रमा को गिटार में बदला है

समुद्र को शेर की तरह आकाश के पिंजरे में खड़ा कर दिया है

सूरज पर कभी भी कविता लिख दूँगा

माँ पर नहीं लिख सकता कविता ।

(i) काव्यांश में कवि ने क्यों कहा कि माँ पर कविता लिखना उसके लिए संभव नहीं ?

(a) कवि के पास शब्द-भंडार की कमी होने के कारण

(b) कवि के अत्यंत भावुक और कोमल स्वभाव के कारण

(c) माँ के अनंत उपकार और उदारता की स्मृति बने रहने के कारण

(d) माँ का व्यक्तित्व और ममता वर्णनातीत होने के कारण

(ii) 'चींटियों को चुटकी-चुटकी आटा डालना' माँ की किस भावना को व्यक्त करता है ?

(a) जीवों के प्रति दया

(b) आटा का दुरुपयोग

(c) खाली समय का उपयोग

(d) चींटियों को भगाना

(iii) 'घट्टी पीसने की आवाज' से कवि का संकेत किस ओर है ?

(a) माँ द्वारा अनाज पीसने के लिए चक्की चलाना

(b) माँ द्वारा मसाला पीसने के लिए सिल-बट्टे का उपयोग करना

(c) माँ द्वारा पालतू पशुओं के लिए चारा काटना

(d) माँ द्वारा कवि के लिए जड़ी-बूटियों का काढ़ा बनाना

(iv) 'हाथ थरथराने लगते हैं' कथन से कवि को क्या स्मरण आता है ?

(a) माँ की उदासीनता

(b) माँ की अनुपम ममता

(c) माँ की ताड़ना

(d) माँ के परिश्रम का कष्ट

https://www.evidyarthi.in/

(v) 'माँ ने हर चीज़ के छिलके उतारे हैं मेरे लिए' पंक्ति में 'छिलके उतारना' से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(a) पुत्र के स्वास्थ्य का हर प्रकार से ध्यान रखा है ।

(b) पुत्र को योग्य बनाने के लिए उसे उच्च शिक्षा दिलाई है ।

(c) पुत्र को योग्य बनाने के लिए उसे हर सुविधा प्रदान की है ।

(d) पुत्र को योग्य बनाने के लिए हर प्रकार के कष्ट सहन किए हैं ।

(vi) 'मुझे कभी भूखा नहीं सोने दिया' पंक्ति से भाव व्यक्त होता है :

(a) पुत्र के प्रति दया

(b) पुत्र के प्रति ईर्ष्या

(c) पुत्र के प्रति क्रोध

(d) पुत्र के प्रति ममता

(vii) कविता की अंतिम पाँच पंक्तियों से कवि की किस विशेषता का बोध होता है ?

(a) उदारता

(b) निर्धनता

(c) कवित्व शक्ति

(d) धनाढ्यता

(viii) काव्यांश का वर्ण्य-विषय है :

(a) माँ और पुत्र का संबंध

(b) माँ और चींटियों का मिलन

(c) माँ के प्रति अनुपम भक्ति

(d) माँ और मातृभूमि

https://www.evidyarthi.in/

3. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) निम्नलिखित में से इन्टरनेट के संबंध में कौन-सा कथन सही है ?

(a) बोलचाल की भाषा के प्रयोग से भाषा के विकास की संभावना नहीं रहती ।

(b) अनपढ़ों के लिए यह माध्यम अनुपयुक्त है ।

(c) निर्धनों और अनपढ़ों के लिए यह माध्यम अनुपयुक्त है क्योंकि इसमें धन और कौशल की जरूरत होती है ।

(d) श्रोताओं को बाँध कर रखना कठिन है ।

(ii) वह लेख, जिसमें किसी मुद्दे के प्रति समाचार-पत्र की अपनी राय प्रकट होती है, क्या कहलाता है ?

(a) फ़ीचर लेखन (b) विशेष लेखन

(c) संपादकीय लेखन (d) स्तंभ लेखन

(iii) किसी समाचार कार्यक्रम, घटना का घटना-स्थल से सीधा प्रसारण कहलाता है :

(a) फोन-इन (b) ड्राई एंकर

(c) लाइव (d) एंकर पैकेज

(iv) हिंदी में प्रिंट रूप में समाचार-पत्र उपलब्ध ***नहीं*** है :

(a) नवभारत टाइम्स

(b) हिंदू

(c) हिंदुस्तान

(d) प्रभासाक्षी

(v) भुगतान के आधार पर अलग-अलग अख़बारों के लिए लिखने वाला होता है :

(a) अंशकालिक पत्रकार

(b) फ्रीलांसर पत्रकार

(c) पूर्णकालिक पत्रकार

(d) वेतनभोगी पत्रकार

https://www.evidyarthi.in/

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *6×1=6*

हरगोबिन संवदिया ..... संवाद पहुँचाने का काम सभी नहीं कर सकते । आदमी भगवान के घर से संवदिया बनकर आता है । संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रखना, जिस सुर और स्वर में संवाद सुनाया गया है, ठीक उसी ढंग से जाकर सुनाना सहज काम नहीं । गाँव के लोगों की ग़लत धारणा है कि निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी ही संवदिया का काम करता है । न आगे नाथ, न पीछे पगहा । बिना मज़दूरी लिए ही जो गाँव-गाँव संवाद पहुँचावे, उसको और क्या कहेंगे ? ..... औरतों का गुलाम । ज़रा-सी मीठी बोली सुनकर ही नशे में आ जाए, ऐसे मर्द को भी भला मर्द कहेंगे ? किंतु गाँव में कौन ऐसा है, जिसके घर की माँ-बहू-बेटी का संवाद हरगोबिन ने नहीं पहुँचाया है ? ..... लेकिन ऐसा संवाद पहली बार ले जा रहा है वह ।

(i) गद्यांश में आई पंक्ति 'आदमी भगवान के घर से संवदिया बनकर आता है' — का आशय है :

(a) संवदिया की रचना भगवान स्वयं देवलोक में करते हैं ।

(b) भगवान स्वयं संवदिया को विशिष्ट गुणों से युक्त कर भेजते हैं ।

(c) संवाद पहुँचाने का काम हर व्यक्ति कर सकता है ।

(d) संवाद पहुँचाने वाले को प्रशिक्षण दिया जाता है ।

(ii) संवाद पहुँचाने का काम कैसे किया जाता है ?

(a) संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रख उसी स्वर, लहजे में सुनाकर ।

(b) सुनाये जाने वाले संवाद में कुछ नमक-मिर्च लगाकर ।

(c) कहे गए संवाद को संक्षेप में कहकर ।

(d) संवाद भेजने वाले के मनोभावों को व्यक्त कर ।

(iii) गाँव के लोगों के विचार से संवदिया का काम कर सकता है :

(a) ईमानदार, सहृदय, दयालु व्यक्ति ।

(b) भ्रष्ट, बेईमान, झूठ बोलने वाला व्यक्ति ।

(c) घुमक्कड़, वाचाल और पेटू व्यक्ति ।

(d) निठल्ला, कामचोर, पेटू व्यक्ति ।

https://www.evidyarthi.in/

(iv) गद्यांश में आई लोकोक्ति 'आगे नाथ न पीछे पगहा' का भाव है :

(a) किसी पर आश्रित न होना

(b) किसी प्रकार की जिम्मेदारी न होना

(c) कोई अलंकार धारण नहीं करना

(d) नाक और पैर में कोई बंधन न होना

(v) लेखक के अनुसार संवदिया की वास्तविक भूमिका होती है :

(a) संवाद की प्रत्येक बात अपने ढंग से सुनाना

(b) संवाद के शब्दों को संक्षिप्त कर अपनी भाषा में सुनाना

(c) संवाद के प्रत्येक शब्द को मूल रूप में उसी स्वर में सुनाना

(d) संवाद की बातें भूलकर स्वयं खा पीकर मस्त रहना

(vi) निम्नलिखित में से कौन-सा वर्ग संवदिया के समानार्थी वर्ग से संबंधित है ?

(a) खबरिया, खबरगीर, खबरी

(b) अखगरिया, अगोरिया, अतुरिया

(c) अंगुरिया, अँगौरिया, अँजोरिया

(d) अटरिया, अनलप्रिया, अप्रिया

5. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *6×1=6*

हिमालय किधर है ?
मैंने उस बच्चे से पूछा जो स्कूल के बाहर
पतंग उड़ा रहा था
इधर-उधर-उसने कहा
जिधर उसकी पतंग भागी जा रही थी
मैं स्वीकार करूँ
मैंने पहली बार जाना
हिमालय किधर है ?

https://www.evidyarthi.in/

(i) काव्यांश में किस तथ्य का चित्रण किया गया है ?

(a) हिमालय की दिशा का

(b) पतंग उड़ाने की कला का

(c) चारों दिशाओं का

(d) बाल मनोविज्ञान

(ii) बालक द्वारा हिमालय को किस दिशा में स्थित बताया गया ?

(a) जिस तरफ पतंग भागी जा रही है

(b) बच्चे जिस तरफ भाग रहे हैं

(c) मनमानी दिशा में

(d) सब दिशाओं में

(iii) 'इधर-उधर-उसने कहा' वाक्यांश में अलंकार है :

(a) यमक

(b) अनुप्रास

(c) उपमा

(d) श्लेष

(iv) 'मैंने पहली बार जाना
हिमालय किधर है ?'
— पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?

(a) हर व्यक्ति का अपना दृष्टिकोण होता है

(b) यह तथ्य मुझे पहले मालूम न था

(c) प्रत्येक व्यक्ति का अपना-अपना यथार्थ होता है

(d) बच्चों के ज्ञान का आभास हुआ

(v) काव्यांश की पंक्तियाँ संकेत करती हैं :

(a) कवि की अज्ञानता

(b) बच्चों की निश्छलता

(c) हिमालय के प्रति प्रेम

(d) पतंग की तीव्र उड़ान

https://www.evidyarthi.in/

(vi) काव्यांश से किस तथ्य का पता चलता है ?

(a) कवि के विचार बच्चों से नहीं मिलते

(b) बच्चे उचित संकेत नहीं कर पाते

(c) बच्चों का अपना दृष्टिकोण होता है

(d) बच्चों की बुद्धि कोमल होती है

6. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) "तो हम सौ लाख बार बनाएँगे" इस कथन से सूरदास के व्यक्तित्व की किस प्रवृत्ति का आभास होता है ?

(a) हार मानकर विनाश से हतोत्साहित होने की प्रवृत्ति

(b) हार न मानकर, सृजन करने की प्रवृत्ति

(c) निराश न होकर जीवन जीने की प्रवृत्ति

(d) शत्रुओं को मनाकर आत्मसमर्पण की प्रवृत्ति

(ii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में शास्त्रीय गायन की किस शैली का उल्लेख हुआ है ?

(a) छोटे गुलाम अली खाँ की दादरा ठुमरी शैली

(b) बिस्मिल्ला खाँ की ठुमरी गायन शैली

(c) बड़े गुलाम अली खाँ साहब की गाई पहाड़ी ठुमरी शैली

(d) बड़े गुलाम अली खाँ साहब की गाई ध्रुपद शैली

(iii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में 'बच्चा दूध नहीं चाँदनी भी पी रहा है' का भाव है :

(a) माँ का दूध पीते-पीते उसे चाँदनी दिखाई दे जाती है

(b) माँ के दूध के साथ-साथ चाँदनी के सौंदर्य का पान करता है

(c) चंद्रमा की छाया दूध पीते बच्चे पर पड़ती है

(d) दूध पीते बच्चे के मुँह पर चाँद खिल उठता है

https://www.evidyarthi.in/

(iv) 'अपना मालवा – खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के माध्यम से लेखक ने लोगों को :

(a) जड़-जमीन की चिंता से हटाया है ।

(b) पर्यावरण के प्रति सचेत किया है ।

(c) बरसात के भयंकर परिणामों का उल्लेख किया है ।

(d) खाऊ-उजाड़ू सभ्यता अपनाने को प्रेरित किया है ।

(v) 'अपना मालवा – खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के संदर्भ में पर्यावरण संरक्षण में हमारा कर्त्तव्य है :

(a) बड़े कारखाने स्थापित कर नदियों का उपयोग करना

(b) वृक्षों की कटाई कर निराश्रितों के लिए घर बनाना

(c) धरती को खोदकर ईंट के भट्टे लगाना

(d) अधिकाधिक वृक्ष लगाना – प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध

खण्ड ब
(वर्णनात्मक प्रश्न) 40 अंक

7. निम्नलिखित दिए गए तीन शीर्षकों में से किसी ***एक*** शीर्षक पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) जिसको न निजगौरव तथा निजदेश का अभिमान है

(ख) अंधकार है वहीं, जहाँ आदित्य नहीं है

(ग) कोल्हू का बैल

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) कविता के प्रमुख घटक कौन-कौन-से हैं ? उनका संक्षेप में परिचय दीजिए ।

(ख) भारतीय परंपरा में नाटक को क्या संज्ञा दी गई है ? साहित्य की अन्य विधाओं से यह भिन्न कैसे है ?

(ग) 'कहानी' में चरित्र-चित्रण के लिए किन उपायों का प्रयोग किया जाता है ? संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

https://www.evidyarthi.in/

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) फ़ीचर की क्या विशेषताएँ हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) विशेष लेखन की भाषा-शैली के बारे में अपने शब्दों में लिखिए ।

10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) 'यह दीप अकेला स्नेहभरा' कविता में दीप को अनेक विशेषताओं से युक्त होते हुए भी अकेला क्यों कहा है ?

(ख) 'वसंत आया' कविता में कवि को वसंत आगमन का ज्ञान कैसे होता है और क्यों ?

(ग) 'तोड़ो' कविता में कवि ने 'पत्थर' और 'चट्टान' शब्द का प्रयोग क्यों किया है ? दोनों शब्दों के प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए ।

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) रामचंद्र शुक्ल का हिंदी साहित्य के प्रति झुकाव क्यों बढ़ता गया ? कारण सहित उल्लेख कीजिए ।

(ख) 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर औद्योगिक विकास के नकारात्मक पहलुओं का उल्लेख कीजिए ।

(ग) 'शेर' कहानी के लेखक ने शेर को किसका प्रतीक माना है और क्यों ?

12. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की प्रसंग-सहित व्याख्या कीजिए : *6*

(क) किसी अलक्षित सूर्य को
देता हुआ अर्घ्य
शताब्दियों से इसी तरह
गंगा के जल में
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर,
अपनी दूसरी टाँग से
बिल्कुल बेखबर !

अथवा

https://www.evidyarthi.in/

(ख) जौं पै पियहि जरत अस भावा । जरत मरत मोहि रोस न आवा ।।

रातिहु देवस इहै मन मोरें । लागौं कंत छार जेऊँ तोरें ।।

यह तन जारौं छार कै, कहौं कि पवन उड़ाउ ।

मकु तेहि मारग होइ परौं, कंत धरैं जँह पाउ ।।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *3*

(क) सूरदास की झोंपड़ी में भैरों ने आग क्यों लगाई थी ? झोंपड़ी जल जाने पर भी सूरदास का किसी से बदला न लेना क्या संकेत करता है ? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

(ख) 'अपना मालवा – खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर लिखिए कि आप पर्यावरण प्रदूषित होने से बचाने के लिए क्या-क्या उपाय करना चाहते हैं ।

14. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

घंटे घड़ियाल बजते हैं । मनौतियों के दिये लिए हुए फूलों की छोटी-छोटी किश्तियाँ गंगा की लहरों पर इठलाती हुई आगे बढ़ती हैं । गोताखोर दोने पकड़े, उनमें रखा चढ़ावे का पैसा उठाकर मुँह में दबा लेते हैं । एक औरत ने इक्कीस दोनें तैराएँ हैं । गंगापुत्र जैसे ही एक दोने से पैसा उठाता है, औरत अगला दोना सरका देती है । गंगापुत्र उस पर लपकता है कि पहले दोने के दीपक से उसके लँगोट में आग की लपट लग जाती है । पास खड़े लोग हँसने लगते हैं । पर गंगापुत्र हतप्रभ नहीं होता । वह झट गंगाजी में बैठ जाता है । गंगा मैया ही उसकी जीविका और जीवन है ।

https://www.evidyarthi.in/